गेल डी० ए० वी० पब्लिक स्कूल
गेलगाँव दिबियापुर

कक्षा - 6 विषय- नैतिक शिक्षा पाठ-1 प्रार्थना अंक-25

खण्ड 'क'

1	प्रार्थना मंत्रों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।	1×6=6
क	इस प्रार्थना में हम ईश्वर को क्या मानते हैं? a) केवल शिक्षक b) माता-पिता और मित्र c) केवल राजा d) कोई नहीं	1
ख	"तुम ही हो साथी तुम ही सहारे" का क्या अर्थ है? a) हमें किसी की जरूरत नहीं b) ईश्वर ही हमारा सहारा है c) केवल मित्र ही सहारा हैं d) हम अकेले हैं	1
ग	"दया की दृष्टि सदा ही रखना" का भाव क्या है? a) सजा देना b) क्रोध करना c) कृपा और करुणा बनाए रखना d) दूर रहना	1
घ	इस प्रार्थना से हमें कौन-सा गुण सीखने को मिलता है? a) घमंड b) आलस्य c) विश्वास और विनम्रता d) झूठ बोलना	1
ङ	"कोई न अपना सिवा तुम्हारे" का क्या अर्थ है? a) हम अकेले हैं b) ईश्वर ही सबसे बड़ा सहारा है c) हमें किसी की जरूरत नहीं	1

	d) मित्र ही सब कुछ हैं	
च	“तुम ही हो बंधु सखा तुम्हीं हो” पंक्ति हमें दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करने की प्रेरणा देती है? a) केवल अपने बारे में सोचना b) दूसरों से दूरी बनाना c) सभी के साथ मित्रता और सहयोग का भाव रखना d) दूसरों की उपेक्षा करना	1
2	निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत, समझकर लिखिए।	1×6=6
क	इस प्रार्थना में ईश्वर को केवल मित्र माना गया है।	1
ख	यह प्रार्थना हमें विनम्रता और विश्वास सिखाती है।	1
ग	“चरणों की धूल” होने का अर्थ घमंड करना है।	1
घ	इस प्रार्थना में दया और करुणा की भावना व्यक्त की गई है।	1
ङ	हमें केवल ईश्वर पर निर्भर रहना चाहिए और कोई प्रयास नहीं करना चाहिए।	1
च	यह प्रार्थना हमें दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने की प्रेरणा देती है।	1
	खण्ड ‘ख’	
3	पाठ का भाव समझते हुए प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए।	2×2=4
क	अगर आपके पास कोई सहारा न हो, तो यह प्रार्थना आपको क्या महसूस कराती है?	2
ख	“तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं”, इस पंक्ति द्वारा हमें कौन-सा गुण अपनाना चाहिए?	2
	खण्ड ‘ग’	
4	परिस्थिति पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।	3×3=9
I	रीना स्कूल में नई आई है। उसके कोई दोस्त नहीं हैं और वह खुद को अकेला महसूस करती है। कुछ बच्चे उसे अपने ग्रुप में शामिल नहीं करते, जिससे वह उदास रहने लगी है। एक दिन प्रार्थना के समय वह “तुम ही हो बंधु सखा तुम्हीं हो” सुनती है और सोचने लगती है कि क्या सच में कोई उसका अपना है।	
क	रीना की स्थिति में यह प्रार्थना उसे क्या मानसिक सहारा दे सकती है?	1
ख	अगर आप रीना के सहपाठी होते, तो इस प्रार्थना के संदेश के अनुसार आप उसके साथ कैसा व्यवहार करते?	2
II	नेहा स्कूल की दौड़ में भाग ले रही थी। शुरुआत में वह सबसे आगे थी, लेकिन बीच में गिर गई। कुछ साथी उसका मज़ाक उड़ा रहे थे। तब उसने यह प्रार्थना सुनी और खुद को	

	संभाला। उसे महसूस हुआ कि असली सहारा जीत या हार में नहीं, बल्कि अपने प्रयास और ईश्वर का विश्वास है।	
क	नेहा के साथी उसका मज़ाक उड़ा रहे थे। इस समय "तुम ही हो साथी तुम ही सहारे..." प्रार्थना ने उसे कैसे मानसिक सहारा दिया?	1
ख	आप नेहा को इस स्थिति से कैसे निकालते?	2
III	कविता कक्षा में पढ़ाई में अच्छी है, लेकिन वह अपने सहपाठियों से ज्यादा घुलती-मिलती नहीं है। एक दिन उसकी सहेली को किसी विषय में समझ नहीं आ रहा था, लेकिन कविता ने उसकी मदद करने की बजाय उसे अनदेखा कर दिया। अगले दिन प्रार्थना के समय कविता ने सुना - "तुम ही हो बंधु सखा तुम्हीं हो, तुम ही हो साथी तुम ही सहारे..." यह सुनकर कविता सोचने लगी कि अगर ईश्वर सभी के लिए मित्र और सहारा हैं, तो उसे भी दूसरों के लिए मददगार और अच्छा मित्र बनना चाहिए।	
क	इस प्रार्थना के अनुसार कविता को अपने व्यवहार में क्या बदलाव लाना चाहिए?	1
ख	यदि कविता अपने सहपाठी की मदद नहीं करती, तो इससे कक्षा के वातावरण और उसके संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?	2

गेल डी० ए० वी० पब्लिक स्कूल

गेलगाँव दिबियापुर

कक्षा - 6 **विषय- नैतिक शिक्षा** **अंक-25**

पाठ-2 आर्यसमाज

खण्ड 'क'

1	**आर्यसमाज पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**	1×6=6
क	आर्यसमाज की स्थापना किसके द्वारा की गयी थी ? a) स्वामी विवेकानंद b) स्वामी दयानंद सरस्वती c) महर्षि वाल्मीकि d) इनमें से कोई नहीं	1
ख	"आर्य" शब्द का श्रेष्ठ अर्थ क्या है? a) धनवान व्यक्ति b) परोपकारी और श्रेष्ठ c) बलवान योद्धा d) विदेशी	1
ग	आर्यसमाज का मुख्य उद्देश्य किसका उपकार करना है? a) केवल स्वयं का b) केवल अपने परिवार का c) समस्त संसार का d) किसी का नहीं	1
घ	आर्यसमाज के कुल कितने नियम निर्धारित हैं? a) पाँच b) सात c) दस d) पंद्रह	1
ङ	'सब सत्य विद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं, उन सबका आदि मूल कौन है? a) मनुष्य b) प्रकृति c) परमेश्वर	1

	d) ग्रंथ	
च	सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने में हमें कैसा होना चाहिए ? a) आलसी b) डरपोक c) सर्वदा उद्यत (तैयार) d) मौन	1
2	निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत, समझकर लिखिए।	1×6=6
क	आर्यसमाज मानता हैं की स्त्रियों को वेदों और उच्च शिक्षा का अधिकार नहीं होना चाहिए ।	1
ख	अपनी उन्नति के लिए दूसरों को नुकसान पहुँचाना सही है।	1
ग	ईश्वर निराकार, सर्वशक्तिमान और न्यायकारी है।	1
घ	सब काम धर्मानुसार, अर्थात सत्य और असत्य का विचार करके करने चाहिए ।	1
ङ	परोपकार करना आर्यसमाज के सिद्धांतों के विरुद्ध हैं ।	1
च	समाज के कल्याण के लिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता का त्याग करना पड़ता है ।	1
	खण्ड 'ख'	
3	**पाठ का भाव समझते हुए प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए।**	2×2=4
क	आर्यसमाज के अनुसार 'शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक' उन्नति से आप क्या समझते हैं?	2
ख	उन्नीसवीं सदी के अंत तथा बीसवीं सदी के प्रारंभ में बहुत सारे ऐसे महापुरुष हुए जिन्होंने स्त्री -शिक्षा पर बहुत ज़ोर दिया। ऐसे किन्हीं चार महापुरुषों के नाम लिखिए, जिन्होंने स्त्रियों को शिक्षा प्रदान किये जाने हेतु कार्य किये ।	2
	खण्ड 'ग'	
4	**परिस्थिति पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**	3×3=9
I	सुनीता के गाँव में एक पुरानी मान्यता है कि लड़कियों को केवल घर का काम सीखना चाहिए और पढ़ाई की ज़रूरत नहीं है। सुनीता बड़ी होकर शिक्षिका बनना चाहती है ताकि वह गाँव के बच्चों को पढ़ा सके। उसके पिता उसे स्कूल भेजने से हिचकिचाते हैं। तभी उनके गाँव में आर्यसमाज के एक विद्वान आते हैं और समझाते हैं कि "विद्या ही मनुष्य का असली आभूषण है और अविद्या का नाश करना हर आर्य का कर्तव्य है।"	
क	आर्यसमाज के सिद्धांतों के अनुसार, सुनीता के पिता को उसकी शिक्षा के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाना चाहिए?	1

ख	यदि सुनीता शिक्षित होकर शिक्षिका बनती है, तो वह आर्यसमाज के 'परोपकार' और 'विद्या की वृद्धि' के नियम को कैसे सिद्ध करेगी?	2
II	एक मोहल्ले में दो परिवार रहते हैं। पहले परिवार में स्त्रियों को पढ़ने और निर्णय लेने की आज़ादी है, जिससे वह घर अनुशासित और उन्नति कर रहा है। दूसरे परिवार में स्त्री-शिक्षा को व्यर्थ माना जाता है, जिससे वहाँ अज्ञानता और कलह का माहौल रहता है।	
क	आर्यसमाज का 'सामाजिक उन्नति' का नियम इन दोनों परिवारों में से किस पर सटीक बैठता है और क्यों?	1
ख	"सब काम धर्मानुसार होने चाहिए" - इस नियम के आधार पर बताइए कि स्त्री-शिक्षा को रोकना धर्म है या अधर्म? तर्क दीजिए।	2
III	समीर अपनी कक्षा में सबसे तेज़ है। जब परीक्षा का समय आता है, तो उसके सहपाठी उससे कुछ सवाल पूछने आते हैं, लेकिन समीर उन्हें मना कर देता है क्योंकि वह चाहता है कि केवल वही सबसे ज़्यादा नंबर लाए और बाकी सब पीछे रह जाएँ। उसे लगता है कि केवल अपनी जीत ही सबसे बड़ी जीत है।	
क	क्या समीर का केवल अपने बारे में सोचना सही है? समाज की भलाई के लिए उसे क्या करना चाहिए?	1
ख	यदि समीर अपने साथियों की मदद करता है, तो इससे कक्षा के वातावरण और उनके आपसी रिश्तों पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा ?	2